पाठ - 1

राख की रस्सी

प्र० क तिब्बत के मंत्री अपने बेटे के भोलेपन से चिंतित रहते थे। तुम्हारे विचार से किन-२ बातों के बारे में सोचकर परेशान होते हैं?

उ० तिब्बत के मंत्री का बेटा बहुत सीधा-सादा व भोला था। उसे होशियारी छूकर भी नहीं गई थी। इसलिए वह परेशान रहते थे कि मेरे बाद इसका क्या होगा।

ख तुम तिब्बत के मंत्री की जगह होता तो क्या उपाय करते?

उ० यदि मैं तिब्बत के मंत्री की जगह होता तो बेटे को बहुत समझदारी और प्यार से काम करने के लिए प्रेरित करता।

प्र० २ मंत्री ने अपने बेटे को शहर क्यों भेजा था?

उ० मंत्री ने अपने बेटे को शहर इसलिए भेजा ताकि वो दुनिया-दारी समझे और व्यवहारिक बने।

प्र० ५ मंत्री ने अपने बेटे को भेड़ो के साथ शहर में ही क्यों भेजा?

उ० शहर के लोग ज्यादा होशियार और सूझ बूझ वाले होते है। इसे लोग के बीच रहकर भोला भाला व्यक्ति भी होशियार और सूझ बूझ वाला बन जाता है। इसी कारण उसने अपने बेटे को भेड़ो के साथ शहर में ही भेजा।

18/4/21

प्र० 5 पहली बार में मंत्री के बेटे ने भेड़ो के बाल बेच दिए और दूसरी बार में भेड़ो के सींग बेच डाले। जिन लोगो ने ये चीजे खरीदी होगी, उन्होने भेड़ के बालो और सिगों का क्या किया होगा ? अपनी कल्पना से बताओ।

उ० भेड़ो के बालों से उन्होने ऊन बनाई होगी और ऊन से उन्होने गर्म कपड़े जैसे - शॉल, भेड़ों के सिगों से उन्होनें सजावट की चीजें बनाई होगी।

प्र० 6 लोनपो गार का बेटा होशियार नहीं था।

(क) होशियार और चालाक में क्या फर्क होता है ? किस आधार पर किसी को तुम चालाक या होशियार कह सकते हो ?

उ० होशियार से तात्पर्य है। समझदार होना जबकि चालाक का अर्थ है - अत्यधिक चतुर होना। जो व्यक्ति समझदारी की बाते करते है उसे समझदार कहते है जो व्यक्ति दूसरो से काम निकलवाने के लिए तरह-2 की बाते करता है उसे हम चालाक कहते है।

प्र०7 लड़की को तुम 'बुद्धिमान' कहोगी या समझदार ? क्यों

उ० लड़की को हम समझदार कहेंगे क्योंकि लड़की की समझदारी के सामने लोनपो गार की चालाकी धरी की धरी रह गई।